



SHRI BHIKU RAMJI IDATE

Shri Bhiku Ramji Idate alias Dada Idate, former chairperson of Union Development and Welfare Board for Denotified Nomadic and Semi-Nomadic Communities (DWBDNC) is an eminent social activist and is known for his remarkable contributions in the development of downtrodden people.

2. Born on 2nd June, 1949 in a small village from Ratnagiri District of Maharashtra, Shri Idate started his career as a teacher. However, his concern for the poor nomadic tribes, motivated him to leave the job. Since then for last 53 years, he has been working for the socio-economically oppressed people. He established, 'Savitribai Phule Shikshan Prasarak (SPSP) Mandal in 1992. This paved path for the higher education to the poor students from a backward tahsil Mandangad. The SPSP Mandal has established colleges, Jr. Colleges, High schools, OBC Hostel and Ashram Schools in Mandangad and Dapoli tahsils. He founded Bhatke Vimukta Vikas Parishad along with eight other sansthas specially working for Bhatke Vimukta Samaj.

3. An ardent follower of Rashtriya Swayam Sevak Sangh (RSS) ideology, Shri Idate had conducted 'Phule-Ambedkar Sandesh Yatra' in 1990, which covered all districts of Maharashtra marching about 7000 km distance in 47 days. Later, he organized Samarasata Yatra (2005) which covered nearly 8000 km distance. He played a crucial role in organizing first of its kind 'Samajik Samarasata Sahitya Sammelan' at Jalgaon. He has taken up several welfare projects for Nomadic Tribes at Ratnagiri, Tuljapur and many other places in Maharashtra. He was Chairman of Idate Committee constituted by the Government of Maharashtra (1999). As a Chairperson of Union Denotified Nomadic and Semi-Nomadic Tribes (DNT) Commission (2015), he has made several useful recommendations for the upliftment of DNT communities.

4. Shri Idate is a great thinker, speaker, writer and leader. He has delivered numerous motivational speeches, wrote seven books and many articles on the subjects of national and social interest. He has established many organisations and has held important positions of other organisations. He did a great job of bringing forward the people who are deprived and downtrodden in the society. Shri. Idate's work resembles to that of Dr. Babasaheb Ambedkar.

5. Many premier institutions and organizations have conferred coveted awards upon Shri Idate like Madhukarrao Deval Samajik Award in 1991; Swami Vivekanand Seva Sanman Samajik Award in 2005; KARMAVEER in 2006; Dr. Babasaheb Ambedkar Prabodhan Award in 2010; Rashtriya Gaurav Award; Gunvant Nagarik Award; Bharat Ratna Dr.A.P.J. Abdul Kalam Excellence Award; Dr. Babasaheb Ambedkar Ratna Award; Best Citizen of India; Glory of India Award; Baba Aamate Prerana Award; SAMAJIK Award; Atal Samaj Bhushan Award; Jivan Gaurav Award; Mahatma Phule Award; Seva Ratna Rashtra Gaurav Award and many more.



श्री भिकू रामजी इदाते

केंद्रीय विमुक्त घुमंतू और अर्ध-घुमंतू समुदाय विकास और कल्याण बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष श्री भिकू रामजी इदाते उर्फ दादा इदाते प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता हैं जिन्हें दलित लोगों के विकास में उल्लेखनीय योगदान के लिए जाना जाता है।

2. 2 जून, 1949 को महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले के एक छोटे से गांव में जन्मे, श्री इदाते ने एक शिक्षक के रूप में अपना करियर शुरू किया परंतु गरीब घुमंतू जनजातियों के प्रति उनकी चिंता ने उन्हें नौकरी छोड़ने के लिए विवश कर दिया। तब से, पिछले 53 वर्षों से वह सामाजिक-आर्थिक रूप से उत्पीड़ित लोगों के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने 1992 में 'सावित्रीबाई फुले शिक्षण प्रसारक (एसपीएसपी) मंडल' की स्थापना की। इससे एक पिछड़ी तहसील मंडानगढ़ के गरीब छात्रों के लिए उच्च शिक्षा का मार्ग प्रशस्त हुआ। एसपीएसपी मंडल ने मंडानगढ़ और दापोली तहसीलों में कॉलेज, जूनियर कॉलेज, हाई स्कूल, ओबीसी हॉस्टल और आश्रम स्कूल स्थापित किए हैं। उन्होंने विशेष रूप से भटके विमुक्त समाज के लिए कार्य करने वाली आठ अन्य संस्थाओं के साथ-साथ भटके विमुक्त विकास परिषद की स्थापना की।

3. राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) की विचारधारा के प्रबल अनुयायी, श्री इदाते ने 1990 में 'फुले-अम्बेडकर संदेश यात्रा' का आयोजन किया था, जिसने 47 दिनों में लगभग 7000 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए महाराष्ट्र के सभी जिलों को कवर किया था। बाद में, उन्होंने समरसता यात्रा (2005) का आयोजन किया जिसके अंतर्गत लगभग 8000 किमी की दूरी तय की। उन्होंने जलगांव में अपनी तरह का पहला 'सामाजिक समरसता साहित्य सम्मेलन' आयोजित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने रत्नागिरी, तुलजापुर और महाराष्ट्र के कई अन्य स्थानों पर घुमंतू जनजातियों के लिए कई कल्याणकारी परियोजनाएं शुरू की हैं। वह महाराष्ट्र सरकार (1999) द्वारा गठित इदाते समिति के अध्यक्ष थे। केंद्रीय विमुक्त घुमंतू और अर्ध-घुमंतू जनजाति आयोग (2015) के अध्यक्ष के रूप में, उन्होंने विमुक्त घुमंतू और अर्ध-घुमंतू जनजाति समुदायों के उत्थान के लिए अनेक लाभकारी सिफारिशें की हैं।

4. श्री इदाते एक महान विचारक, वक्ता, लेखक और नेता हैं। उन्होंने कई प्रेरक भाषण दिए हैं, राष्ट्रीय और सामाजिक हित के विषयों पर सात पुस्तक और कई लेख लिखे हैं। उन्होंने अनेक संगठनों की स्थापना की है और अन्य संगठनों के महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। उन्होंने समाज के वंचित और दबे-कुचले लोगों को आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण कार्य किया। श्री इदाते का कार्य डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर से मिलता-जुलता है।

5. श्री इदाते को बहुत से प्रमुख संस्थानों और संगठनों ने प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किए हैं जिनमें 1991 में मधुकरराव देवल सामाजिक पुरस्कार; 2005 में स्वामी विवेकानंद सेवा सम्मान सामाजिक पुरस्कार; 2006 में कर्मवीर; 2010 में बाबासाहेब डॉ.अम्बेडकर प्रबोधन पुरस्कार; राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार; गुणवंत नागरिक पुरस्कार; भारत रत्न डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम उत्कृष्टता पुरस्कार; बाबासाहेब डॉ. अम्बेडकर रत्न पुरस्कार; भारत का सर्वश्रेष्ठ नागरिक; ग्लोरी ऑफ इंडिया अवार्ड; बाबा आम्टे प्रेरणा पुरस्कार; सामाजिक पुरस्कार; अटल समाज भूषण पुरस्कार; जीवन गौरव पुरस्कार; महात्मा फुले पुरस्कार; सेवा रत्न राष्ट्र गौरव पुरस्कार आदि शामिल हैं।